निरस्त कार्यों के विवाद के बीच विधायक और महापौर आए एक मंच पर

शहर के विकास और 6 करोड़ के प्रोजेक्ट्स पर हुई चर्चा

नवभारत न्यूज़

खंडवा। मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना के तहत स्वीकृत 1.05 करोड़ के 6 विकास कार्यों को निरस्त किए जाने से उपजे राजनीतिक गतिरोध के बीच बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नगर निगम के कार्यों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

विधायक कंचन मुकेश तन्वे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में महापौर अमृता अमर यादव, नगर निगम अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, सांसद प्रतिनिधि चारूलता मंगल यादव, पार्षदगण, सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर सिंह और निगम आयुक्त प्रियंका राजावत सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। एक ओर जहाँ विधायक द्वारा पूर्व में कार्यों को निरस्त कराने और महापौर द्वारा संगठन तय करेगा मेरा रिपोर्ट कार्ड जैसे बयानों से आपसी खींचतान की खबरें चर्चा में थीं, वहीं इस बैठक में दोनों जनप्रतिनिधि शहर के विकास का खाका खींचते नजर आए।

पेयजल को सर्वोच्च प्राथमिकता, हर माह होगी निर्माण कार्यों की समीक्षा –

बैठक में विधायक कंचन तन्वे ने ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए शहरी क्षेत्र के हर वार्ड में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि शहर में संचालित विभिन्न विकास कार्यों को निर्धारित समय सीमा और गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाए। विधायक ने घोषणा की कि अब नगर निगम के अधीन संचालित विभिन्न योजनाओं और निर्माण कार्यों की हर माह नियमित रूप से समीक्षा की जाएगी ताकि कार्यों में गति आ सके।

इसके साथ ही उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन, वृद्धावस्था, नि:शक्त व कल्याणी पेंशन योजना के वितरण की जानकारी ली और विधायक निधि के तहत चल रहे कार्यों सहित प्रधानमंत्री स्वनिधि, पीएम आवास योजना (शहरी), सीएम कन्या विवाह और राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना की प्रगति की समीक्षा की। विधायक ने निगम प्रशासन को आगामी 10 वर्षों के विकास कार्यों की एक व्यवस्थित कार्ययोजना (विज़न डॉक्यूमेंट) तैयार कर काम करने के निर्देश दिए।

महापौर ने गिनाए विकास कार्य: 6 करोड़ के नए प्रोजेक्ट्स...

विधायक द्वारा की गई समीक्षा और पूर्व के गतिरोध के बीच महापौर अमृता यादव ने निगम द्वारा किए जा रहे बड़े विकास कार्यों का ब्योरा सामने रखा। महापौर ने बताया कि नगर निगम का नया कार्यालय भवन बनकर तैयार हो गया है और फर्नीचर का काम पूरा होते ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से इसका लोकार्पण कराया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने एक बड़ी योजना साझा करते हुए कहा कि नगर निगम के पुराने भवन के स्थान पर एक भव्य 5 मंजिला नया शॉपिंग मॉल का निर्माण कराया जाएगा। महापौर ने शहर के ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार की जानकारी देते हुए बताया कि वर्षा ऋतु शुरू होने से पहले रामेश्वर कुंड और पदम कुंड के सौंदर्यीकरण का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। रामेश्वर कुंड के लिए 2.60 करोड़ और प्राचीन पदम कुंड के लिए 1.40 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के तहत राजा हरिश्चन्द्र मुक्तिधाम के कायाकल्प के लिए 2.55 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। महापौर ने स्पष्ट किया कि नगरीय क्षेत्र में विकास कार्यों की मॉनिटरिंग अधिकारियों के साथ-साथ क्षेत्रीय पार्षद भी मुस्तैदी से कर रहे हैं।

7.50 करोड़ की सड़कें और गीता भवन के रूप में बदलेगा गौरीकुंज ऑडिटोरियम

बैठक में निगम आयुक्त प्रियंका राजावत ने प्रशासनिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि शहर के विभिन्न वार्डों में प्रमुख मार्गों के डामरीकरण और सीसी रोड निर्माण के लिए लगभग 7.50 करोड़ के कार्य वर्तमान में प्रगति पर हैं। इसके साथ ही उन्होंने शहरवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि ऐतिहासिक गौरीकुंज ऑडिटोरियम का उन्नयन कर उसे गीता भवन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसके लिए लगभग 2 करोड़ के कार्यों की निविदा (टेंडर) जारी की जा चुकी है।

1.05 करोड़ के विकास कार्यों को निरस्त किए जाने के बाद जिस तरह से खंडवा की सियासत गरमाई हुई थी, उसके बाद इस संयुक्त बैठक का होना बेहद अहम माना जा रहा है। एक तरफ जहां पूर्व स्वीकृत कार्यों को अपरिहार्य कारणों से रोका गया है, वहीं दूसरी तरफ 6 करोड़ से अधिक के कुंड व मुक्तिधाम सौंदर्यीकरण और 7.50 करोड़ की सड़कों के निर्माण को गति देकर संतुलन बनाने का प्रयास किया जा रहा है। देखना यह होगा कि इस सामूहिक बैठक के बाद धरातल पर विकास कार्यों की गति क्या रूप लेती है।

दुकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी, 136 सैंपल भेजे लैब

नवभारत में न्यूज प्रकाशन के बाद जागा प्रशासनिक अमला

नवभारत इम्पैक्ट

खण्डवा। खरीफ सीजन का आगाज होते ही किसानों की गाढ़ी कमाई पर डाका डालने वाले बीज माफिया सक्रिय हो गए हैं। मंडी से साधारण और सस्ता अनाज खरीदकर, उसे आधुनिक मशीनों से चमकाकर और आकर्षक ब्रांडेड थैलियों में पैक करके ट्रू बीज के नाम पर धड़ल्ले से बाजार में खपाने की एक बड़ी साजिश का पर्दाफाश हुआ है। इस सनसनीखेज खबर के उजागर होते ही कृषि विभाग और जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। आनन-फानन में प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए किसानों के लिए हाई अलर्ट जारी किया है और जालसाजों को सख्त लहजे में चेतावनी दी है।

चमकदार पैकिंग के पीछे छिपा है बर्बादी का सामान!– उप संचालक कृषि नितेश कुमार यादव ने किसानों से सीधे तौर पर मुखातिब होते हुए कहा है कि वे केवल चमकदार और आकर्षक पैकिंग देखकर बहकावे में न आएं। बड़े-बड़े दावों और विज्ञापनों के पीछे अमानक (घटिया) और नकली बीज छिपे हो सकते हैं, जो आपकी पूरी फसल को बर्बाद कर देंगे। किसानों को साफ निर्देश दिए गए हैं कि वे बिना जांचे-परखे और बिना लाइसेंस वाले राह चलते विक्रेताओं से बीज खरीदने की भूल कतई न करें।

पक्का बिल ही बनेगा आपका कानूनी हथियार–प्रशासन ने दो टूक कहा है कि बीज केवल अधिकृत और पंजीकृत दुकानों से ही खरीदें और चाहे कुछ भी हो जाए, दुकानदार से पक्का बिल जरूर लें। इस बिल पर बीज की वैरायटी, कंपनी का नाम, लॉट नंबर, बैच नंबर, मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट के साथ-साथ सही कीमत साफ लिखी होनी चाहिए। याद रखें, अगर बाद में बीज खराब निकलता है या खेतों में अंकुरण नहीं होता, तो यही पक्का बिल उस बेईमान दुकानदार को जेल भिजवाने का सबसे बड़ा कानूनी आधार बनेगा।

सोयाबीन और कपास के खरीदार बरतें विशेष सावधानी– कृषि विशेषज्ञों ने चेताया है कि सोयाबीन का बीज बेहद संवेदनशील होता है। इसे ऊंचाई से गिराने या ज्यादा उठापटक करने से इसका बाहरी आवरण टूट जाता है और अंकुरण क्षमता खत्म हो जाती है। इसलिए किसान बुवाई से पहले घर पर अंकुरण की जांच करें और बीज का उपचार (ट्रीटमेंट) जरूर करें।

वहीं कपास के बीजों को लेकर ब्लैक मार्केटिंग करने वालों पर भी नकेल कसी गई है। सरकार ने कपास बीजी-1 के लिए 635 रुपये और बीजी-2 के लिए 901 रुपये प्रति पैकेट (475 ग्राम) की कीमत तय कर दी है। अगर कोई भी दुकानदार इससे एक रुपया भी ज्यादा मांगता है, तो तुरंत कृषि विभाग में उसकी शिकायत ठोंकें।

दुकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी– खबर के बाद हरकत में आए कृषि विभाग ने जिलेभर में खाद और बीज के ठिकानों पर ताबड़तोड़ चेकिंग शुरू कर दी है। अब तक खाद के 55 और अलग-अलग बीजों के 136 सैंपल जब्त कर सरकारी लैब भेजे जा चुके हैं। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि किसानों की मेहनत के खून-पसीने की कमाई से खिलवाड़ करने वाले किसी भी बीज निर्माता या विक्रेता को बख्शा नहीं जाएगा। अगर लैब रिपोर्ट में गड़बड़ी आई, तो सीधे तौर पर दुकानों के लाइसेंस निरस्त कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भ्रूण हत्या के सौदागरों की अब खैर नहीं

मुखबिर को 2 लाख का इनाम, प्रशासन रचेगा चक्रव्यूह

नवभारत न्यूज़

खंडवा। कोख में कत्ल करने वाले और चंद रुपयों के लिए बेटियों का सौदा क८रने वाले गिरोहों के खिलाफ अब सीधे सर्जिकल स्ट्राइक की तैयारी है। कन्या भ्रूण हत्या जैसी घिनौनी सामाजिक कुरीति की जड़ें काटने के लिए प्रशासन ने अब आम जनता को ही अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया है। पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत राज्य शासन की पुनरीक्षित मुखबिर पुरस्कार योजना को जमीन पर उतारते हुए खंडवा प्रशासन ने साफ कर दिया है कि अवैध लिंग जांच करने वाले अस्पतालों और डॉक्टरों का पर्दाफाश करने वालों को दो लाख रुपये तक का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

यह सिर्फ कागजी योजना नहीं है, बल्कि अवैध रूप से चल रहे सेंटर्स को दबोचने के लिए एक पूरा चक्रव्यूह तैयार किया गया है, जिसमें गोपनीय स्टिंग ऑपरेशन के जरिए आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा जाएगा। प्रशासन ने सूचना देने वाले मुखबिरों और इस मुहिम में शामिल टीम के लिए इनाम की राशि को दो अहम पड़ावों में बांट दिया है ताकि विधिक कार्रवाई अपने कानूनी मुकाम तक पहुंचे। इसके तहत मुखबिर की सूचना पर छापा मारकर जैसे ही कोर्ट में चालान यानी चार्जशीट पेश की जाएगी, सवा लाख रुपये की पहली किश्त तुरंत जारी कर दी जाएगी। इसके बाद जैसे ही न्यायालय में गुनाह साबित होगा और आरोपियों को सजा मिलेगी, बाकी के पचहत्तर हजार रुपये की दूसरी किश्त टीम में बांट दी जाएगी। इस पूरे ऑपरेशन में सिर्फ सूचना देने वाले को ही नहीं, बल्कि जान जोखिम में डालकर फर्जी मरीज बनने वाली डिकॉय महिला और कानूनी लड़ाई लड़ने वाले अधिकारियों को भी पुरस्कृत किया जाएगा।

सफल स्टिंग ऑपरेशन के बाद मिलने वाले कुल दो लाख रुपये में से मुख्य मुखबिर को अस्सी हजार रुपये मिलेंगे, जिसमें से पचास हजार चालान पेश होने पर और तीस हजार दोष सिद्ध होने पर दिए जाएंगे। इसी तरह फर्जी मरीज बनने वाली डिकॉय महिला को कुल तीस हजार रुपये, उसके साथ जाने वाले सहयोगी को पंद्रह हजार रुपये, सरकारी वकील यानी अभियोजन अधिकारी को पचास हजार रुपये तथा जिला नोडल अधिकारी या अधिकृत टीम को पच्चीस हजार रुपये की राशि नियमानुसार दो किश्तों में वितरित की जाएगी। इस कड़क कार्रवाई का सबसे बड़ा पहलू यह है कि सूचना देने वाले मुखबिर की पहचान को शत-प्रतिशत गोपनीय रखा जाएगा।

बेटियों के सुरक्षित भविष्य, उनके सम्मान और समाज में लैंगिक समानता लाने के लिए प्रशासन ने खंडवा के जागरूक नागरिकों से अपील की है कि वे अपने आस-पास चल रहे ऐसे किसी भी अवैध सेंटर, दलालों या डॉक्टरों की सूचना तुरंत जिम्मेदार अधिकारियों को देकर इस सामाजिक अभियान के भागीदार बनें। अब देखना यह है कि इस कड़े विधिक शिकंजे और दो लाख के इनाम के बाद खंडवा में कोख के कातिल और कितने दिन कानून की नजरों से बच पाते हैं।

गंगा दशमी पर बह्मगीर में गंगा पूजन

नवभारत न्यूज़

राई। जल गंगा संवर्दधन अभियान के अंतर्गत गंगा दशहरा के पावन अवसर पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला द्वारा जिले भर की ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति व नंवाकुर संस्था के सहयोग से जन जागरूकता एवं जल संरक्षण गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं समुदायिकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया।

अभियान के तहत ग्रामों के कुएं, बावडियों, हैडपंप एवं तालाब जैसे पारंपरिक जल स्त्रोतों का पूजन-अर्चन कर जल के महत्व को रेखांकित किया गया इस अवसर पर महिलाओं, नंवाकुर दीदीयो एवं युवाओं की सहभागिता से भव्य गंगा कलश यात्रा बह्मागीर के पवित्र तीर्थ स्थल पर पहुंची.

श्रमदान एवं जन भागीदारी से दिया जल बचाने का संदेश–इसी कड़ी में अमलपुरा सेक्टर के ब्रह्मगीर तीर्थ स्थाल पर पहुंच कर महिलाओं द्वारा भक्ति भाव से कलश पूजन, गंगा पूजन के साथ पवित्र कुंड एवं घाट का भी पूजन किया।इसके पश्चात मंदिर परिसर व प्राचीन बावड़ी परिसर में सामूहिक श्रमदान एवं साफ सफाई का कार्य किया गया उदय एकता सामाजिक विकास कल्याण समिति के प्रमुख रामकुमार वर्मा ने उपस्थित जन समुदाय को जल स्त्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखना का संकल्प दिलाया इस दौरान राईखुटवाल, भामगढ, अमलपुरा, शिवना, बडगांव माली, बैनपुरा समिति के सदस्य-ग्रामीण मौजूद रहे।

जिला अस्पताल में तंबाकू सेवन नहीं करने की दिलाई शपथ

नवभारत न्यूज़

खण्डवा। विश्व तंबाकू निषेध सप्ताह के अंतर्गत जिला चिकित्सालय सह चिकित्सा महाविद्यालय में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अधिकारी-कर्मचारियों, मरीजों एवं उनके परिजनों ने तंबाकू का सेवन नहीं करने की शपथ ली। सिविल सर्जन डॉ कौशल ने बताया कि इस वर्ष की थीम निकोटिन और तंबाकू की लत का आकर्षण बेनकाब करेंरखी गई है। उन्होंने कहा कि तंबाकू सेवन से फेफड़ों का कैंसर, मुंह का कैंसर, लीवर कैंसर, डायबिटीज सहित कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करना चाहिए। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ सुजीत वर्मा ने कहा कि तंबाकू उत्पाद व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर बनाते हैं तथा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारण हैं। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से तंबाकू और नशे से दूर रहने की अपील की।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को तंबाकू निषेध संबंधी जानकारी देकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने जिला जेल का किया निरीक्षण

नवभारत न्यूज़

खण्डवा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजीव श्रीवास्तव ने बुधवार को जिला जेल खंडवा का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने भोजनशाला, भंडार कक्ष, मुलाकात कक्ष एवं बंदियों के बैरकों का अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान श्री श्रीवास्तव ने बंदियों से सीधे संवाद कर उनके प्रकरणों, न्यायालयीन कार्यवाही, नियमित पेशी एवं विधिक सहायता संबंधी जानकारी ली। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।उन्होंने जेल में साफ-सफाई, भोजन, नाश्ते की गुणवत्ता, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी लेते हुए जेल प्रशासन को बंदियों की मूलभूत सुविधाओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।इस दौरान जेल अधीक्षक अदिति चतुर्वेदी, जेलर हेमंत नागर, जिला विधिक सहायता अधिकारी दिलावर सिंह एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

नारायण बाहेती 8वीं बार बहु प्रांतीय लायन्स मल्टीपल अवार्ड से सम्मानित

नवभारत न्यूज़

खण्डवा। लायन्स सेवा गतिविधियों में लगातार सक्रिय भूमिका निभाने वाले खंडवा के वरिष्ठ लायन नारायण बाहेती ने एक बार फिर जिले का नाम गौरवान्वित किया है। सेवा, संगठन और लायन्स इंटरनेशनल की गतिविधियों में लंबे समय से सक्रिय श्री बाहेती को 8वीं बार बहु प्रांतीय सर्वश्रेष्ठ लायन्स पिन कलेक्शन अवार्ड से सम्मानित किया गया। वे लगातार 21 बार प्रांतीय अवार्ड प्राप्त करने वाले पहले लायन भी हैं। लायन्स इंटरनेशनल मल्टीपल बहु प्रांतीय कांफ्रेंस इंदौर के मनमोहन मेहता सभागृह में आयोजित हुई। लायन नारायण बाहेती को सर्वश्रेष्ठ लायन्स पिन कलेक्शन अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें मल्टीपल, डिस्ट्रिक्ट और क्लब स्तर पर किए गए सेवा एवं प्रशासनिक कार्यों के लिए प्राप्त पिनों के विशेष संग्रह के आधार पर प्रदान किया गया। कांफ्रेंस में लायन्स इंटरनेशनल के वाइस प्रेसिडेंट इंडोसी मनोज शाह अफ्रीका, मल्टीपल काउंसिल चेयरमेन मनीष शाह, पास्ट इंटरनेशनल डायरेक्टर कमलेश जैन सहित विभिन्न प्रांतों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 955 क्लबों के करीब 1800 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अवार्ड मिलने पर लायन साथियों ने हर्ष व्यक्त किया।

सिंधी सेवा मंडली का विदाई और पदभार ग्रहण समारोह

नवभारत न्यूज़

खण्डवा। सिंधी सेवा मंडली के सभागार में मंगलवार रात्रि निवृत्तमान कार्यकारिणी का विदाई समारोह एवं नवागत कार्यकारिणी का पदभार ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाजजनों ने पूर्व पदाधिकारियों का सम्मान करते हुए नई कार्यकारिणी का स्वागत किया। निवृत्तमान अध्यक्ष मेठाराम पिंजानी ने अपने कार्यकाल में मिले सहयोग के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संरक्षक गोपालदास पमनानी, सुंदरदास फतवानी सहित पूर्व पदाधिकारियों का शाल एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया। चुनाव अधिकारी मोहन दीवान एवं अनिल आरतानी द्वारा सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी के निर्विरोध निर्वाचन की जानकारी दी गई। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष संजय सभनानी, सचिव प्रकाश आहूजा, उपाध्यक्ष शंकरलाल आसवानी एवं हरेश कुमार संतवानी, कोषाध्यक्ष मनोज गेलानी, सह सचिव पवन वासवानी और प्रवक्ता कमल नागपाल शामिल हैं।नवागत अध्यक्ष संजय सभनानी ने कहा कि संस्था का हर सदस्य स्वयं को अध्यक्ष मानकर सेवा कार्य करे और समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने पर्यावरण, स्वच्छता एवं समाजसेवा के क्षेत्र में नई पहल करने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन कमल नागपाल ने एवं आभार प्रदर्शन प्रकाश आहूजा ने किया।

एक नजर — **आदिवासी क्षेत्र के किसानों ने उठाए सवाल**

सिंचाई परियोजना में खेतों में अधूरे पाइप छोड़कर निकले ठेकेदार

नवभारत न्यूज़

खण्डवा। जावर उद्धवहन सिंचाई योजना में भ्रष्टाचार के आरोपी के बाद खंडवा उद्धवहन सिंचाई परियोजना के कार्यों को लेकर बोरखेड़ा क्षेत्र में किसानों का आक्रोश सामने आया है। किसानों ने आरोप लगाया है कि ठेकेदार और संबंधित अधिकारी अधूरे काम छोड़कर आगे बढ़ रहे हैं, जिससे खेतों में परेशानी बढ़ती जा रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि कई स्थानों पर पाइप लाइन खेतों की मेड़ के अंदर सही तरीके से नहीं डाली गई, जबकि कहीं पाइप खेत के बाहर ही निकालकर छोड़ दिए गए हैं।ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में ठेकेदार और इंजीनियरों को शिकायत भी की गई थी। अधिकारियों ने दो दिन में सुधार का आश्वासन दिया, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। किसानों का कहना है कि अभी खेत खाली पड़े हैं और जुताई बाकी है, ऐसे में यदि अभी काम पूरा नहीं किया गया तो बाद में भारी दिक्कत होगी।स्थानीय ग्रामीण मुकेश पाटिल गुर्जर ने कहा कि आदिवासी क्षेत्र के किसान ज्यादा जागरूक नहीं हैं, इसलिए अधिकारियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। उन्होंने मांग की कि जहां भी कार्य अधूरा है, वहां तत्काल टीम भेजकर पाइप लाइन का काम पूरा कराया जाए।ग्रामीणों का आरोप है कि परियोजना का काम जल्दबाजी और लापरवाही के साथ किया जा रहा है। खेतों में अधूरे पाइप छोड़ने से भविष्य में सिंचाई व्यवस्था प्रभावित होने के साथ किसानों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। किसानों ने प्रशासन से पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदार ठेकेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।